VISION IAS

www.visionias.in

VISION IAS
M N 24 SEP 2017
SUBMISSION HOURS

GENERAL STUDIES (TEST CODE : 860)

Name of Candidate	Kamta Zangmu		
Medium Hindi/Eng.	Hindi	Registration Number	42370
Center	Mukherjee Nagar	Date	24/09/17

INDEX TABLE

Q. No.	Maximum Marks	Marks Obtained
1(a)	10	
1(b)	10	
2(a)	10	
2(b)	10	
3(a)	10	
3(b)	10	
4(a)	10	
4(b)	10	
5(a)	10	
5(b)	10	
6	10	
7	10	
8	10	
9	20	
10	20	
11	20	
12	20	
13	20	
14	20	

Total Marks Obtained:

Remarks:

INSTRUCTIONS

1. Do furnish the appropriate details in the answer sheet (viz. Name, Registration Number and Test Code).
   उत्तर पुस्तिका में सूचनाएं भरना आवश्यक है (नाम, प्रश्न-पत्र कोड, विद्यार्थी क्रमांक आदि)।
2. There are **FOURTEEN questions** printed in **ENGLISH & HINDI**
   इसमें चौदह प्रश्न हैं तथा **अंग्रेजी और हिन्दी** में छपे हैं।
3. All questions are compulsory.
   सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
4. The number of marks carried by a question/part is indicated against it.
   प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।
5. Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate, which must be stated clearly on the cover of this Question-Cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other that the authorized one.
   प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश पत्र में किया गया है और उस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यूसीए) पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिए गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
6. Word limit in questions, if specified, should be adhered to.
   प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए।
7. Any page or portion of the page left blank in the Question Cum-Answer Booklet must be clearly struck off.
   उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।

EVALUATION INDICATORS

1. Alignment Competence
2. Context Competence
3. Content Competence
4. Language Competence
5. Introduction Competence
6. Structure - Presentation Competence
7. Conclusion Competence

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

Answer the following questions in not more than 150 words each:

1. **(a)** Marketing has become a crucial link in the success of a business. With suitable examples, discuss the ethical issues involved in marketing of a product or service. How can these issues be resolved? 10

किसी व्यवसाय की सफलता में विपणन (मार्केटिंग) एक महत्वपूर्ण कड़ी बन गया है। उचित उदाहरणों सहित किसी उत्पाद या सेवा के विपणन में निहित नैतिक मुद्दों की चर्चा कीजिए। इन मुद्दों का समाधान किस प्रकार किया जा सकता है?

बाज़ारवादी प्रवृत्तियों के विकास के क्रम में आज उत्पादन के साथ बेचने के तरीकों अर्थात मार्केटिंग पर भी पर्याप्त ध्यान दिया जाता है।

विपणन के सम्बन्ध में नैतिक मुद्दे -

- सेवा, उत्पाद की गुणवत्ता
  - गुणवत्ता की जांच के बजाय चर्चित चेहरों या बड़े लोगों की भावनाये भुनाने पर बल
- स्त्री का वस्तुकरण
  - e.g. डियोडरेंट इत्यादि विज्ञापनों में स्त्री को कामुक स्वरूप में प्रस्तुत करना
- व्यावसायिक नैतिकता
  - सिने स्टार इत्यादि द्वारा बिना गुणवत्ता परख किये विज्ञापन करना
- पारदर्शिता, वस्तु निष्ठता, सत्यनिष्ठा से सम्बंधित मुद्दे
  - अपनी कंपनी के उत्पादों के बजाय दूसरी कंपनी के उत्पादों की कमियां बताना

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ न लिखें)

समाधान के तरीके -

- व्यावसायिक नैतिकता को सार्थक बनाकर
- जनजागरूकता, मीडिया आदि के प्रचार द्वारा
- उपभोक्ता का अधिकार अधिनियम को मजबूत करके
- विज्ञापनों के नियामक संगठन को अधिक शक्तिशाली बनाकर

इस प्रकार विधि तथा नैतिकता के सामंजस्य के माध्यम से व्यावसायिक विज्ञापन में नैतिक मुद्दों का समाधान किया जा सकता है

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

1. **(b)** Value education empowers a person to confront the myriad challenges of contemporary Indian society. Discuss. 10

मूल्य आधारित शिक्षा किसी व्यक्ति को समकालीन भारतीय समाज की अनगिनत चुनौतियों का सामना करने में सक्षम बनाती है। चर्चा कीजिए।

मूल्य आधारित शिक्षा से तात्पर्य शिक्षण प्रणाली को मात्र रोजगार परक न बनाकर साहित्यात्मक मूल्यों की अभिवृद्धि का माध्यम बनाने से है।

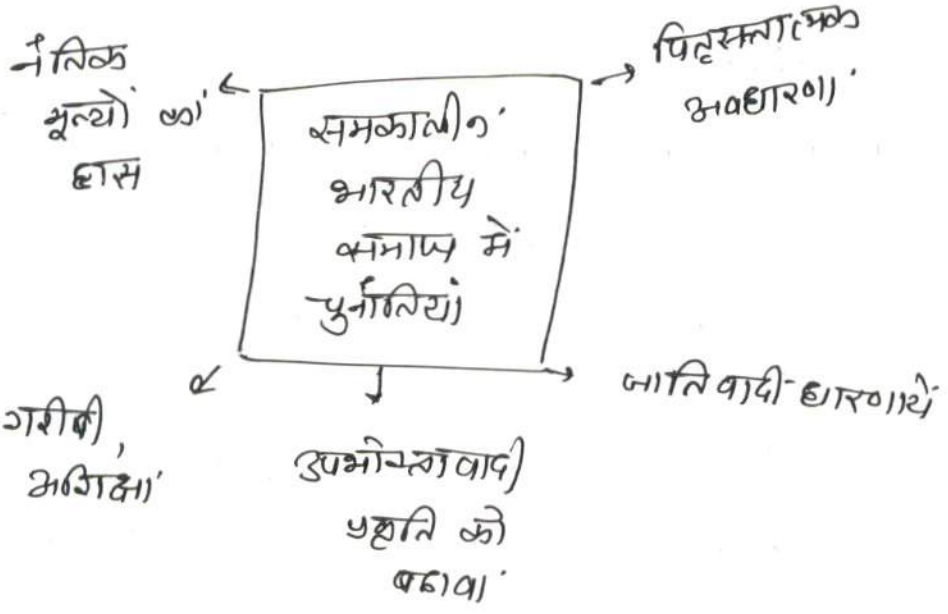

शिक्षा द्वारा समाधान कैसे ?—

- मूल्य आधारित शिक्षा द्वारा पितृसत्तात्मक समाज की बुराईयों से बच्चों को अवगत कराया जाये ताकि वे स्त्री समानता, स्त्री-

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

मूल्य जैसे सिद्धान्त समझ सके।

→ जातिवादी व्यवस्था के खिलाफ उनको एक-दूसरे के साथ खाना खिलाकर, खेलने, बातचीत करने हेतु प्रोत्साहित करना।

→ समानता, स्वतंत्रता, न्याय जैसे लोकतांत्रिक मूल्यों की स्थापना द्वारा

→ सत्यनिष्ठा, पारदर्शिता, वस्तुनिष्ठता को बढ़ावा। उदा॰ यदि किसी बच्चे को स्कूल में कोई भी सामान मिले तो स्कूल में जमा कराये, इस प्रकार उनमें ईमानदारी का भाव पैदा होगा।

→ बच्चों को पारिवारिक, सामाजिक मूल्यों प्रेम, सौन्दर्य इत्यादि का वर्णन यथा - सांस्कृतिक कार्यक्रमों के प्रोत्साहन द्वारा कला के प्रति भाव पैदा करना।

इस प्रकार मूल्यात्मक शिक्षा बच्चों में नैतिक आदर्शों की स्थापना में सहायक है।

2. (a) Ethics is the first line of defence against corruption while law enforcement is remedial and reactive. Examine the statement with suitable examples. 10

नैतिकता, भ्रष्टाचार के विरुद्ध पहली रक्षा पंक्ति है, जबकि कानून का प्रवर्तन उपचारात्मक एवं प्रतिक्रियात्मक है। उचित उदाहरणों के साथ उक्त कथन का परीक्षण कीजिए।

भ्रष्टाचार आज राजनीतिक, प्रशासनिक व्यवस्था की सर्वप्रमुख समस्या बन चुका है इस हेतु दो प्रमुख प्रकार के उपाय सुझाये जाते हैं

भ्रष्टाचार : रोकने के उपाय

- अन्तरात्मा (Conscienceness)
- विधि (Law)

अन्तरात्मा की आवाज के द्वारा भ्रष्टाचारी व्यक्ति में ग्लानि, पश्चाताप की भावना पैदा होती है जिससे वह स्वतः प्रेरित होकर ईमानदारी पूर्वक जीवन यापन का संकल्प लेता है

विधि के माध्यम से सार्वभौमिक नियम बनाकर ईमानदार बनने हेतु बाध्य किया जाता है

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

अन्तरात्मा की आवाज से व्यक्ति स्व-प्रेरित होता है ऐसा व्यक्ति किसी दबाव के बिना, स्व जागरूक होकर कर्तव्य पालन करता है। गांधीजी इस पर अत्यधिक बल देते थे और ऐसे व्यक्ति को 'आंतरिक स्वराज' कहते थे।

विधि का पालन बाह्य, बाध्यकारी होता है यह उपचारात्मक प्रक्रिया के रूप में अपनाया जा सकता है

उदाहरण: यदि कानून द्वारा किसी भ्रष्टाचार विरोधी कानून द्वारा व्यक्ति को रोका जायेगा तो वह सबके सामने रिश्वत नहीं लेगा लेकिन अकेले में, जहां कोई नहीं देख रहा वहां रिश्वत ले सकता है जबकि अन्तरात्मा वाला व्यक्ति अकेले में भी रिश्वत नहीं लेगा।

इस प्रकार आंतरिक नैतिकता ही प्राथमिक उपाय है जिसे नैतिक शिक्षा के माध्यम से अभिवृद्ध किया जा सकता है

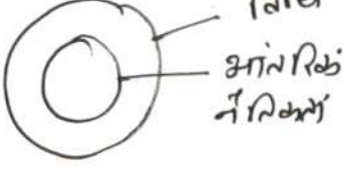

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

2. **(b)** Discuss the influence that parents have on values of their children and the role they can play in transmitting good values and resisting negative influences. Why is it that, at times, the values of children differ from that of their parents? 10

अपने बच्चों के मूल्यों पर माता-पिता के प्रभावों एवं अच्छे मूल्यों का संचार करने एवं नकारात्मक प्रभावों का प्रतिरोध करने में माता-पिता द्वारा निभायी जा सकने वाली भूमिका की चर्चा कीजिए। ऐसा क्यों होता है कि कभी-कभी बच्चों के मूल्य (मान्यताएं), उनके माता-पिता के मूल्यों से भिन्न होते हैं?

अरस्तू के अनुसार, " मनुष्य सामाजिक प्राणी है"

बच्चों पर उनके वातावरण, घर-परिवार, समाज इत्यादि का प्रभाव पड़ता है विशेष तया माता-पिता की भूमिका इसमे सर्वाधिक महत्वपूर्ण है क्योंकि माता-पिता बच्चे को सर्व प्रथम प्रभावित करते है।

माता-पिता आपसी सम्बन्धो में, व्यवहार में प्रेम, ईमानदारी, सत्य, सत्यनिष्ठा, वस्तुनिष्ठता, पारदर्शिता, निष्पक्ष व्यवहार द्वारा बच्चों में सकारात्मक मनोवृति का विकास कर सकते है यथा - गरीबों की सेवा करना, सुबह कबूतरो को दाना डालना इत्यादि।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ न लिखें)

नकारात्मक प्रवृत्तियों को रोकने हेतु बच्चों को प्रेम से समझाकर, दंड का भय दिखाकर ~~बच्चों~~ को इत्यादि द्वारा सकारात्मक बनाया जा सकता है यथा - स्कूल में बच्चे द्वारा किसी को मारने पर अभिभावकों द्वारा डाँटना तथा कोई अच्छा कार्य करने पर प्रेम से गले लगाना

बच्चों के नैतिक मूल्य माता - पिता से भिन्न -

- समाज का प्रभाव
- परिवार के अन्य सदस्यों का प्रभाव
- विद्यालय में शिक्षकों, सहपाठियों, मित्रों का प्रभाव
- सोशल मीडिया, इंटरनेट का प्रभाव

इस प्रकार बच्चों को माता-पिता सर्वाधिक प्रभावित तो करते हैं परंतु प्रभाव के एकमात्र कारक नहीं हैं।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

3. (a) What does 'public service' means to you? Describe the various ways in which one can serve the public. Does one necessarily serve the public better by entering the civil services? Justify your stand. 10

आपकी दृष्टि में 'लोक सेवा' का क्या अर्थ है? उन विभिन्न तरीकों का वर्णन कीजिए जिससे कोई व्यक्ति लोक सेवा कर सकता है। क्या कोई व्यक्ति सिविल सेवाओं में प्रवेश कर अनिवार्य रूप से बेहतर लोक सेवा करता है? अपने दृष्टिकोण का औचित्य सिद्ध कीजिए।

लोक-सेवा से तात्पर्य "अपने कार्यों, विचारों द्वारा जनता को अधिकाधिक लाभ पहुंचाना, दूसरों के दुःख दूर करने का प्रयास करना है"

लोक सेवा के तरीके :-

- प्रशासक के रूप में
- राजनेता के रूप में → जनता के हितों का प्रतिनिधित्व
- शिक्षक के रूप में → बच्चों को गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा
- नागरिक के रूप में → राष्ट्र के प्रति कर्तव्यों का पालन
- चिकित्सक के रूप में → चिकित्सक के कार्य को सेवा समझकर
- व्यावसायी के रूप में → कारपोरेट गवर्नेंस का पालन

सिविल सेवा में लोक सेवा - एक सिविल सेवक लोक सेवा हेतु पारदर्शी व्यवहार,

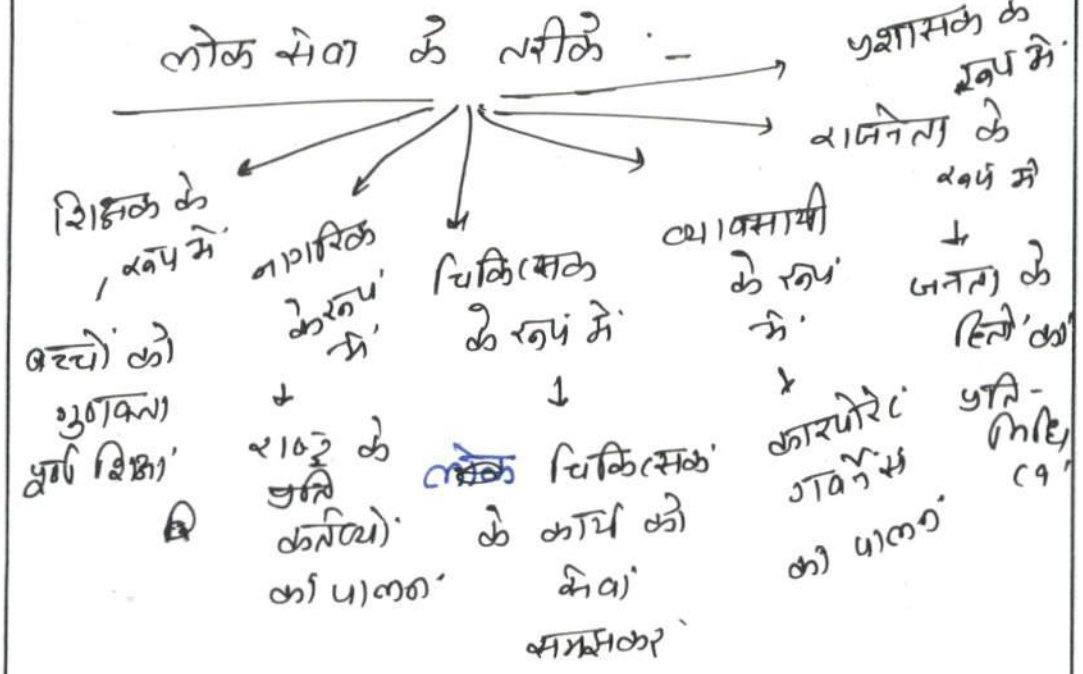

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें।)

भावनात्मक समानुभूति, करुणा, वंचित वर्गों के प्रति प्रेम, ईमानदारी इत्यादि मूल्यों माध्यमों से लोक सेवा कर सकता है

यथा → किसी वृद्ध महिला के पास पूरे दस्तावेज न होने पर दस्तावेज बनाकर सामाजिक सुरक्षा योजना का लाभ दिलाना

सिविल सेवा लोक सेवा का एक माध्यम हो सकती है परंतु एकमात्र माध्यम नहीं है। विभिन्न वर्ग अपने-अपने कार्य-व्यवहार में नैतिकता का पालन करके लोक-सेवा कर सकते हैं। यथा - किसी नागरिक द्वारा टैक्स चोरी न करके अपने कर का समय पर भुगतान करना भी लोक सेवा का ही एक प्रकार है

VISION IAS™

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें।)

3. (b) What do you understand by 'civic virtue' in public life? What are the challenges in practising it in today's time? How can these challenges be overcome? 10

सार्वजनिक जीवन में 'नागरिक सद्गुण' (सिविक वर्चू) से आप क्या समझते हैं? वर्तमान समय में इनका अनुसरण करने में आने वाली चुनौतियाँ क्या हैं? इन चुनौतियों से पर कैसे विजय प्राप्त की जा सकती है?

सार्वजनिक जीवन में नागरिक सद्गुण से तात्पर्य "वे मूल्यात्मक व्यवहार हैं जो हम सार्वजनिक जीवन में उचित - अनुचित, शुभ-अशुभ का पता लगाकर नैतिक व्यवहार के माध्यम से करते हैं।"

इसके अन्तर्गत वंचित वर्गों के प्रति करुणा, प्रेम, दृढ़ता, वस्तुनिष्ठता, पारदर्शिता, और तरफदारी, असंलग्नता, भावनात्मक समानुभूति, ईमानदारी इत्यादि आते हैं।

नागरिक सद्गुणों के समक्ष चुनौतियां -

- भौतिकतावादी प्रवृत्तियों का बढ़ता महत्व
- अन्तरात्मा का संकट
- व्यक्तिगत हित को सार्वजनिक हित पर वरीयता
-- स्वार्थवाद की भावना का विकास

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस आशा में कुछ ना लिखें)

- रोजगार परक शिक्षा पर बल, मूल्यात्मक शिक्षा का गौण होना
- सामाजिक प्रतिष्ठा, सामाजिक संस्कृति
- हित का प्रभाव

समाधान के तरीके -

→ स्कूलों, कॉलेजों में नैतिक शिक्षा को अनिवार्य बनाकर

→ समाज में ईमानदारी को प्रोत्साहित करके जैसा कि द्वितीय प्रशासनिक सुधार आयोग की रिपोर्ट में कहा गया कि ईमानदार अधिकारियों को पुरस्कृत किया जाये।

- सार्वजनिक हित को वरीयता देकर

→ राजनीतिक क्षेत्र में सुधार करके, राजनीति व अपराधीकरण का गठजोड़ तोड़कर जो द्वितीय प्रशासनिक सुधार आयोग की प्रमुख अभिशंसा है।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

4. (a) The lives of great leaders inspire us in many ways. Which leader has had a lasting impact on you and in what way? Mention one outstanding value that you have imbibed from him/her and its importance to being a civil servant. 10

महान व्यक्तित्व (ग्रेट लीडर्स) का जीवन हमें अनेकों प्रकार से प्रेरित करते हैं। आपके ऊपर किस व्यक्तित्व का चिरस्थायी प्रभाव पड़ा है और किस प्रकार? आपके द्वारा उस व्यक्तित्व से आत्मसात किए गए एक उत्कृष्ट गुण एवं एक सिविल सेवक होने में उसके महत्व का उल्लेख कीजिए।

महान व्यक्तित्व अपने कार्य, अपने विचारों के माध्यम से सदैव ही प्रेरणास्रोत रहे हैं यथा - गांधीजी, महात्मा बुद्ध, विवेकानन्द, अब्दुल कलाम इत्यादि

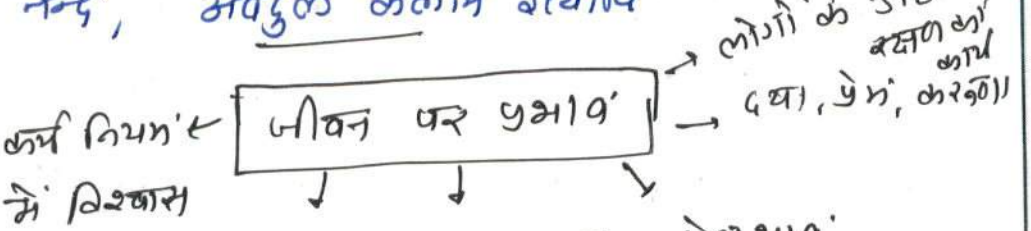

मेरे जीवन पर प्रभाव -

यद्यपि मेरे जीवन पर अनेक महापुरुषों का प्रभाव है परंतु सर्वाधिक प्रभाव स्वामी विवेकानन्द का है। स्वामी विवेकानंद मात्र एक धार्मिक सुधारक ही नहीं थे, अपितु वे एक समाज सुधारक, कर्मशील

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें।)

व्यक्तित्व, निरन्तर प्रयास करने का संदेश देने हेतु, दलितों के प्रति सेवा भावना से ओत-प्रोत व्यक्तित्व थे।

सिविल सेवा में उनके गुणों द्वारा वंचित वर्गों के प्रति समानुभूति, भावनात्मक समझ, कर्तव्य निष्ठता, वस्तुनिष्ठता, ईमानदारी, सत्यनिष्ठा इत्यादि गुणों का बढ़ावा दिया जा सकता है। जैसा कि उन्होंने कहा था, "दरिद्रों की सेवा ही नारायण की सेवा है।"

इस प्रकार स्वामी विवेकानन्द के मूल्यात्मक विचार व्यक्तिगत व सार्वजनिक जीवन दोनों में उपयोगी हैं।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

4. **(b)** Governance is the vital link in our quest for prosperity and equity. What should be the key elements of ethical governance to eliminate corruption and bureaucratic delays? Examine. 10

समृद्धि एवं समता की दिशा में हमारे प्रयासों में गवर्नेंस (शासन) एक महत्वपूर्ण कड़ी है। भ्रष्टाचार एवं नौकरशाही के कारण होने वाले विलम्बों को समाप्त करने के लिए नैतिक शासन के महत्वपूर्ण तत्व क्या होने चाहिए? परीक्षण कीजिए।

शासन का प्रमुख उद्देश्य संवृद्धि, विकास के साथ समानता के विचार का प्रोत्साहन है किसी भी राष्ट्र में सभी को अवसर की समानता के साथ सकारात्मक विभेद द्वारा स्वतंत्रता व समानता के मूल्यों में सामंजस्य स्थापित किया जाता है

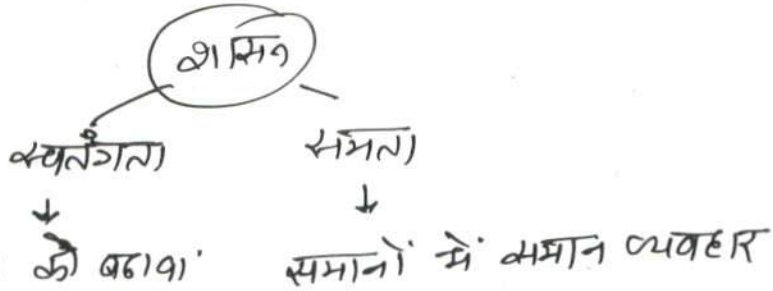

नैतिक शासन के तत्व :

- भ्रष्टाचार व नौकरशाही में विलम्ब को समाप्त करने हेतु नियामक संस्थाओं को प्रभावी बनाना होगा।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस क्षेत्र में कुछ न लिखें)

- भ्रष्टाचार निरोधक अधिनियम, 1988 की प्रभावी पालना सुनिश्चित करना।
- लोकपाल व लोकायुक्त की नियुक्ति करना।
- द्वितीय प्रशासनिक सुधार आयोग की चौथी रिपोर्ट 'शासन में नैतिकता' के अनुसार राजनीतिक दलों में नैतिक अधिकारी की नियुक्ति तथा ओम्बुड्समैन प्रणाली को ज्यादा प्रभावी करना है।
- जनता को जागरूक करके, सेवक की स्वामी जनता स्वामी की अवधारणा अपनाकर
- इलेक्ट्रॉनिक निगरानी प्रणाली को प्रभावी करके यथा- हाल ही में प्रगति एप, सरकार आपके द्वार जैसे कार्यक्रम।

इस प्रकार नैतिकता एवं प्रशासनिक कानूनों के सामंजस्य से भ्रष्टाचार व अन्य कई समस्याओं से निपटा जा सकता है।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

5. (a) Has excessive profit seeking by corporates undermined the trust of public in the private sector? Giving examples, examine the reasons for failure of corporate governance in India. 10

क्या कॉर्पोरेट्स की अत्यधिक लाभ प्राप्त करने की इच्छा ने निजी क्षेत्र में जनता के विश्वास को कमजोर किया है? उदहारण प्रस्तुत करते हुए, भारत में कॉर्पोरेट शासन की विफलता के कारणों का परीक्षण कीजिए।

कॉरपोरेट्स (व्यावसायियों) का प्रमुख उद्देश्य बाजार में लाभ कमाना तथा लागत को न्यूनतम रखते हुए अधिकतम हितों की पूर्ति करना होता है।

व्यक्तिवादी व पूंजीवादी दृष्टिकोण से यह सत ठीक है परंतु सामाजिक न्याय एवं नैतिकता वादी दृष्टिकोण से व्यावसायिक नैतिकता का पालन अति आवश्यक है उदा० साबुन, क्रीम इत्यादि विज्ञापनों में गुणवत्ता का ध्यान न देकर प्रचार तंत्र पर अधिक ध्यान देना।

→ अधिकतम लाभ की प्राप्ति हेतु सुरक्षा मानकों को दरकिनार करना यथा : भोपाल गैस त्रासदी।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

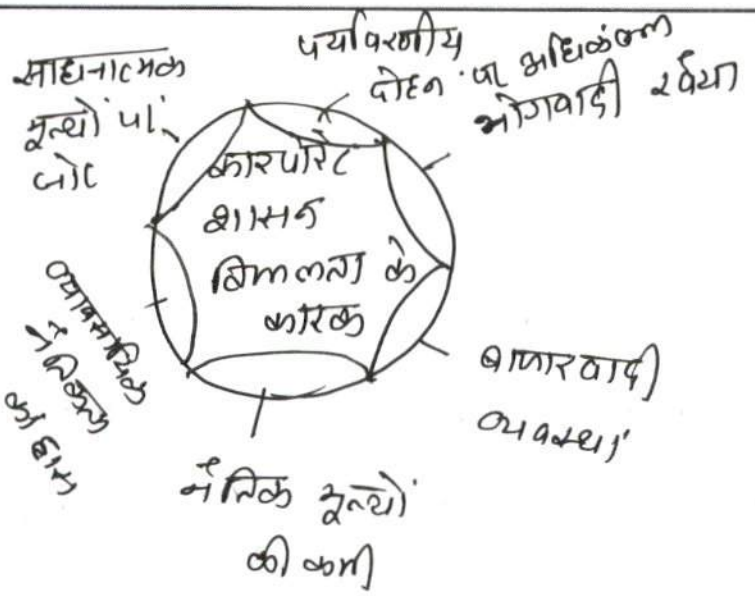

कारपोरेट नैतिकता की स्थापना हेतु -

- व्यावसायिक नैतिकता को बढ़ावा देना होगा।
- सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना का विकास करना होगा।
- CSR गतिविधियों को बढ़ावा देना होगा।)
- अच्छे व नैतिक व्यावसायियों को सामाजिक प्रतिष्ठा देकर

इस प्रकार कॉरपोरेट नैतिकता को बढ़ावा देने हेतु बाह्य साधनों की अपेक्षा आंतरिक की आवाज पर बल देना होगा।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

5. **(b)** Income inequality, resource mismanagement and health hazards are some of the negative consequences of globalization. In this context, what are some of the ethical dilemmas that civil servants face today? How has the approach to handling these undergone a change? 10

आय असमानता, संसाधनों का कुप्रबंधन एवं स्वास्थ्य संबंधी खतरे वैश्वीकरण के कुछ नकारात्मक परिणाम हैं। इस संदर्भ में, सिविल सेवकों द्वारा वर्तमान में सामना की जाने वाली कुछ नैतिक दुविधाएँ क्या हैं? इनसे निपटने के लिए अपनाए जानेवाले दृष्टिकोण में किस प्रकार परिवर्तन हुआ है?

वैश्वीकरण एक सर्वनाम, सर्वमान्य सत्य है जिसके अन्तर्गत समस्त विश्व को एक गांव की भांति, एक स्थान, एक समाज के रूप में विकसित किया जा रहा है।

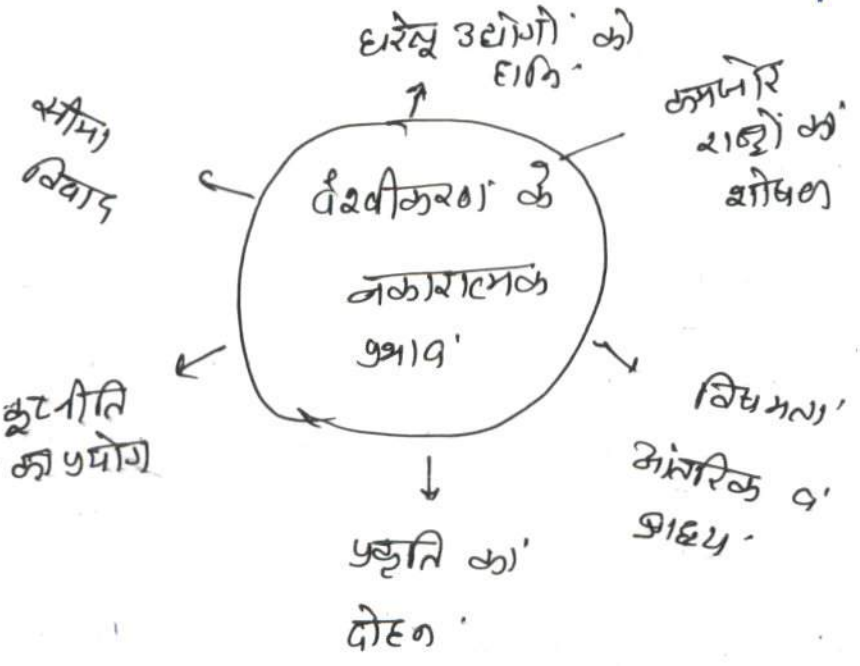

सिविल सेवक के समक्ष चुनौतियां -

- वर्तमान समय में विकास उन्मुख संरक्षण

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

की समस्या है

- प्रक्रियात्मक न्याय बनाम तात्विक न्याय की चुनौती है

- स्वतंत्रता बनाम समानता की चुनौती है

- बहुराष्ट्रीय नियमों बनाम राष्ट्रीय कानूनों में सामंजस्य की समस्या है

- पर्यावरणीय नैतिकता, वंचित लोगों का लाभ

यथा - बहुराष्ट्रीय कम्पनियां पेटेंट के माध्यम से बहुत महंगी दवाईयां बनाती हैं जो गरीबों की पहुंच में नहीं होती।

दृष्टिकोण में परिवर्तन -

- विकासशील राष्ट्रों को विशेष रियायतें दी जाने लगी हैं यथा - WTO में विकासशील देशों हेतु पीस क्लॉज

- पेरिस समझौता, किगाली समझौता - पर्यावरणीय नैतिकता का समर्थक

- विकासशील देशों को ग्रीन क्लाइमेट फण्ड द्वारा वित्तीय सहायता इत्यादि।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

6. Discuss the role and importance of independent directors for corporate governance. 10

कार्पोरेट गवर्नेंस में स्वतंत्र निदेशकों की भूमिका एवं महत्व पर चर्चा कीजिए।

कॉरपोरेट गवर्नेंस से तात्पर्य "व्यावसायिक वर्ग में निर्णय निर्माण, निर्णय क्रियान्वित के समय अपनाई जाने वाली नैतिकता है।

कारपोरेट गवर्नेंस में स्वतंत्र निदेशकों का अभिप्राय वे निदेशक जो कम्पनी के शेयर होल्डर नहीं है तथा आर्थिक हितों से सम्बद्ध नहीं हैं।

स्वतंत्र निदेशकों की भूमिका -

- कम्पनी के विभिन्न निर्णयों में सहभागिता
- कम्पनी के निर्णयों की क्रियान्विति
- लघु शेयर होल्डरों तथा जनता के विश्वास को बनाये रखना
- व्यावसायिक नैतिकता का पालन करवाना
- कम्पनी तथा विभिन्न शेयरधारकों के बीच कड़ी का कार्य करना।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

महत्व -

- हाल ही में भारत में सेबी ने कॉरपोरेट नियमावली में परिवर्तन करके 1/3 स्वतंत्र निदेशकों की नियुक्ति का प्रावधान किया है
- जनता की व्यावसायिक नियमों में विश्वास बहाली
- CSR की गतिविधियों का क्रियान्वयन
- भ्रष्टाचार, इनसाइडर ट्रेडिंग पर रोक

इस प्रकार किसी भी कंपनी में स्वतंत्र निदेशक का पद अत्यंत महत्वपूर्ण पद है जिसका उत्तरदायित्वपूर्ण वहन किया जाना चाहिए

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस मार्जिन में कुछ ना लिखें)

7. Is there a conflict between morality and freedom? Discuss with reference to Kant's views on categorical imperative. 10

क्या नैतिकता एवं स्वतंत्रता के बीच कोई संघर्ष है? निरपेक्ष आदेश (categorical imperative) पर कांट के विचारों के संदर्भ में चर्चा कीजिए।

नैतिकता एवं स्वतंत्रता दोनों नैतिक मूल्य हैं जो समाज में योग्यता, प्रेम, अवसर, नैतिक मान्यताओं की स्थापना में सहायक हैं

नैतिकता : स्वतंत्रता संघर्ष .

नैतिकता - स्वतंत्रता में संघर्ष तब हो जाता है जब स्वतंत्रता किसी एक स्वार्थ-पूर्ण उद्देश्य की पूर्ति करना चाहे अथवा सामुदायिक लाभ की अवहेलना करे। यथा- मुझे कार चलाने की स्वतंत्रता है परंतु किसी की जान लेने का अधिकार उसमें नहीं है

जब स्वतंत्रता कर्तव्य की अपेक्षा अधिकार पर अधिक बल दे यथा - स्वयं की अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता परंतु दूसरों की

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस क्षेत्र में कुछ ना लिखें)

मान-हानि करना।

निरपेक्ष आदेश पर कांट के विचार -

कांट के अनुसार निरपेक्ष आदेश से तात्पर्य " साध्य को सर्वथा साध्य बने रहने दें तथा कोशिश करें कि वह किसी की प्राप्ति का साधन न बन सके।"

- निरपेक्ष आदेश कांट के दर्शन में नैतिकता का व्यापक है यथा- समाज में नैतिक मूल्यों का सर्वोच्च स्थान होगा जिसमें वे साध्य रूप में बने रह सके।

- निरपेक्ष के आदेश के माध्यम से कांट कर्तव्य भावना को प्रोत्साहन देते हैं।

कांट - " जैसा व्यवहार तुम दूसरों से तुम्हारे लिये चाहते हो, वैसा ही तुम दूसरों से करो।"

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

8. "Since at the beginning and end of our lives we are so dependent on other's kindness, how can it be that in the middle we neglect the kindness towards others?" - The Dalai Lama. Bring out what you understand by this quote and discuss its relevance in the Indian society. 10

"जब हम अपने जीवन के प्रारम्भ एवं अंतिम अवधि में दूसरों की दयालुता/करुणा पर बहुत अधिक निर्भर रहते हैं, तो जीवन के मध्यावधि में हम दूसरों के प्रति दयालुता/करुणा की उपेक्षा कैसे कर सकते हैं?" – दलाई लामा। स्पष्ट कीजिए कि इस उद्धरण से आप क्या समझते हैं और भारतीय समाज में इसकी प्रासंगिकता की चर्चा कीजिए।

मनुष्य जीवन समाज द्वारा निर्मित एवं सुसंस्कृत होता है। मनुष्य जब जन्म लेता है तो उसे माता-पिता एवं परिजनों द्वारा देखभाल की आवश्यकता होती है, इसी प्रकार वृद्धावस्था में व्यक्ति दूसरों की करुणा पर निर्भर हो जाता है

युवावस्था किसी भी मनुष्य के जीवन का सर्वोत्तम समय है जब वह पूर्ण स्वतंत्र तथा जीवन के प्रति उत्साही होता है परंतु इस उत्साह, स्वतंत्रता के प्रति प्रेम में वह दूसरों की उपेक्षा करता है

भारतीय समाज में प्रासंगिकता -

भारतीय समाज सामूहिक परम्परा

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

प्रेम, वात्सल्य, निष्ठा, समर्पण का समाज रहा है परंतु आज युवा वर्ग -

- व्यक्तिवादिता की चाह में
- स्वतंत्र, उच्छृंखल व्यवहार के कारण
- भौतिकतावादी जीवन प्रवृत्ति
- साधनात्मक जीवन मूल्यों को महत्व
- प्रेम, करुणा, बुजुर्गों के प्रति सम्मान के भाव को विस्मृत कर रहा है

आज भारतीय समाज पाश्चात्य मूल्य परम्परा, संस्कृति की चकाचौंध में स्वयं की गरिमापूर्ण सभी संस्कृति को भुला रहा है इसलिये आवश्यकता है दुबारा मनोवैज्ञानिक सामंजस्य, नैतिक मूल्यों की प्रतिस्थापना द्वारा करुणा, भावनात्मक समानुभूति जैसे गुणों को बढ़ावा दिया जाये

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस हाशिए में कुछ ना लिखें)

In the following questions, carefully study the cases presented and then answer the questions that follow (in around 250 words):

9. You, a reporter currently working as an intern, accompanied a small group of reporters to a political event organized by the ruling party's state unit. The party was followed by dinner where you were also asked to join. Here, you noticed that alcohol was being served to some members of the ruling party. Consumption of alcohol had been declared illegal in the state a few months ago and the ban is being enforced strictly across the state. The other reporters in your group ignored the issue and asked you to ignore it as well. However, it was clear to you that the law was not being followed.

(a) Identify the issues involved in this scenario.

(b) What are your duties in such a scenario?

(c) What course of action would you follow and why? 20

आप एक प्रशिक्षु संवाददाता (रिपोर्टर) के रूप में, सत्ताधारी दल की राज्य इकाई द्वारा आयोजित एक राजनीतिक कार्यक्रम में संवाददाताओं के एक छोटे से समूह के साथ गए हैं। कार्यक्रम के बाद रात्रि-भोजन में आपसे सम्मिलित होने के लिए कहा गया। रात्रि-भोजन के दौरान आपने ध्यान दिया कि सत्ताधारी दल के कुछ सदस्यों को शराब परोसी जा रही थी। उस राज्य में कुछ महीनों पहले शराब के सेवन को अवैध घोषित किया गया था और पूरे राज्य में कठोरतापूर्वक इस पर प्रतिबन्ध लगाया जा रहा है। आपके समूह के अन्य संवाददाताओं ने इस मुद्दे को अनदेखा किया और आपको भी इसे अनदेखा करने के लिए कहा। हालांकि, आपको यह स्पष्ट रूप से ज्ञात था कि कानून का पालन नहीं किया जा रहा था।

(a) इस परिदृश्य से जुड़े मुद्दों की पहचान कीजिए।

(b) इस परिदृश्य में आपके कर्तव्य क्या हैं?

(c) आप क्या कदम उठाएंगे और क्यों?

नैतिक मुद्दे -

- राज्य के कानूनों की अवहेलना, तोड़ना।
- राजनीतिक नैतिकता पर प्रश्न चिन्ह
- मीडिया एथिक्स की समस्या
- सत्यनिष्ठा, ईमानदारी का मुद्दा
- प्रतिबंधित वस्तु को परोसना अर्थात तस्करी को बढ़ावा।

मेरे कर्तव्य -

- राज्य के कानूनों की अवहेलना का विरोध करना
- साथी रिपोर्टरों को समझाना कि यह हमारी व्यावसायिक नैतिकता के विरुद्ध है
- राजनीतिक दल के प्रमुख व्यक्ति से बात करना कि यह आपके स्वयं के हित में नहीं है
- राजनीति - मीडिया के गठजोड़ को सामने लाना
- सिद्धान्त व व्यवहार में अन्तर को समाप्त करना।

मेरा कदम -

- मैं सर्वप्रथम साथी अधिकारियों को समझाने का प्रयास करूंगी, तत्पश्चात नहीं मानने पर मेरे वरिष्ठ अधिकारियों को इस सम्बन्ध में सूचित करूंगी।
- इस पूरे दृश्य की वीडियोग्राफी करूंगी

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

ताकि भविष्य में किसी आवश्यक साक्ष्य के रूप में दिखाया जा सके।

- उच्चाधिकारियों द्वारा भी नहीं मानने पर सोशल मीडिया व पुलिस को जानकारी देनी ताकि कानून अवहेलना पर सख्त कार्यवाही की जा सके।

तर्क :- क्यों

- समाज में नैतिकता की स्थापना हेतु मीडिया को लोकतंत्र का चौथा स्तंभ कहा गया है, इसकी नैतिकता की रक्षा हेतु यह आवश्यक है
  - → यदि इसे नहीं रोका गया तो यह अभिवृत्ति आगे भी जारी रहेगी और अधिक विकसित होगी।
  - → मेरे विरोध करने पर मीडिया वर्ग की कार्य - संस्कृति में सुधार होगा।
  - → राजनीतिक - नैतिकता की स्थापना तथा सिद्धांत व व्यवहार में सामंजस्य स्थापना होगी।

VISION IAS™

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

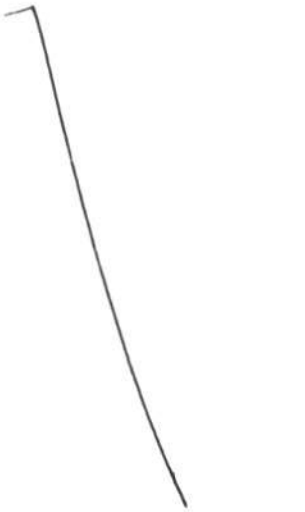

VISION IAS™

Don't write anything this margin
(इस आशा में कुछ ना लिखें)

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

10. You are posted as the Sub-Divisional Magistrate (SDM) in a district. As the SDM it is your responsibility to conduct interviews and select a candidate for the post of an ASHA worker in the district. On the day you are conducting the interviews, you are approached by the MLA of the local constituency who asks you to choose a particular lady for this position by overlooking the other candidates. On checking her documents you find that she is eligible in all respects. The MLA implores that she should be given the post on compassionate grounds as her husband was a soldier who was martyred in a war. Some of the options to handle the situation could be as follows:

(a) Ignore the MLA and proceed with the process of selection.

(b) Speak to your superior and seek his guidance on the matter.

(c) Appoint the lady to the post as it is a compassionate appointment.

Also suggest other possible options.

Evaluate each of these options and suggest the best course of action, giving reasons for it. 20

आप एक जिले में सब-डिविजीनल मजिस्ट्रेट (SDM) के पद पर नियुक्त हैं। SDM के रूप में, जिले में आशा (ASHA) कार्यकर्ता के पद हेतु साक्षात्कार आयोजित करना एवं उम्मीदवार का चयन करना आपकी जिम्मेदारी है। जिस दिन आप साक्षात्कार ले रहे हैं, उसी दिन आपके पास स्थानीय निर्वाचन क्षेत्र के एक विधायक (MLA) आते हैं और आपसे अन्य उम्मीदवारों की उपेक्षा कर, इस पद के लिए एक विशिष्ट महिला का चयन करने के लिए कहते हैं। उसके दस्तावेजों की जांच करने से आपको ज्ञात होता है कि वह सभी दृष्टियों से पात्र है। विधायक का निवेदन है कि उस महिला को अनुकंपा के आधार यह पद दिया जाना चाहिए क्योंकि उसका पति सैनिक था जो युद्ध में शहीद हुआ था। इस स्थिति से निपटने के लिए कुछ विकल्प इस प्रकार हो सकते हैं:

(a) विधायक की अनदेखी की जाए और चयन प्रक्रिया को आगे बढ़ाया जाए।

(b) अपने वरीय (वरिष्ठ) अधिकारी से कहा जाए और मामले पर उनका मार्गदर्शन मांगा जाए।

(c) महिला को उक्त पद पर नियुक्त कर दिया जाए क्योंकि यह नियुक्ति अनुकंपा के आधार पर है।

अन्य संभावित विकल्पों का सुझाव भी दीजिए।

इनमें से प्रत्येक विकल्प का मूल्यांकन कीजिए एवं कारण बताते हुए सर्वोत्तम कार्यवाही का सुझाव दीजिए।

प्रस्तुत समस्या में योग्यता बनाम सार्वजनिक नियम, व्यक्तिगत हित बनाम सार्वजनिक अधिकार की दुविधा समाहित है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

इस प्रक्रिया में -

(a) विधायक जनता द्वारा चुने गये प्रतिनिधि हैं जो जनता के प्रति उत्तरदायी हैं तथा संविधान, संसद द्वारा इन्हें विशेषाधिकार दिये गये हैं, अतः इनकी प्रगति : अनदेखी नहीं की जा सकती। मैं इनकी पूरी बात सुनूंगी तथा अपना पक्ष रखने का प्रयास करूंगी।

(b) वरिष्ठ अधिकारियों से मार्गदर्शन मांगा जा सकता है परंतु यदि नियम के आधार पर ही चयन का प्रावधान है तो वरिष्ठ अधिकारी भी यही मार्गदर्शन देंगे।

(c) महिला को उक्त पद पर नियुक्ति से पहले मैं पता लगाऊंगी कि यह पद अनुकम्पा नियुक्ति हेतु आरक्षित है या नहीं। यदि यह पद आरक्षित नहीं

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

है तो मैं यही समझाने का प्रयास करूंगी कि प्रक्रियात्मक चयन के माध्यम से ही उसका चयन किया जा सकता है।

सर्वोत्तम कार्यवाही -

- मैं सम्बन्धित विभाग में किसी अन्य अनुकम्पा पद का पता लगाने का प्रयास करूंगी ताकि उसको नौकरी दी जा सके।
- जब तक उसकी नौकरी की व्यवस्था न हो तब तक उसके अन्य दस्तावेज मंगाकर अन्य सामाजिक सुरक्षाओं का लाभ यथा - पे विधवा पेंशन, बच्चों के लिये पालन-हार योजना, भामाशाह स्वास्थ्य बीमा इत्यादि योजनाओं का लाभ दिया जा सकता है।
- मैं उस महिला को किसी एन.जी.ओ. के माध्यम से स्वनियोजन हेतु प्रोत्साहित

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

करूँगी ताकि वह स्वनियोजित होकर अपने परिवार का पोषण कर सके।

कारण -

यद्यपि महिला की स्थिति सोचनीय है परंतु ईमानदारी, वस्तुनिष्ठता, पारदर्शिता, और तटस्थता इत्यादि नियमों की पालना हेतु उसको सीधे नौकरी नहीं दी जा सकती हो सकता है उसकी तरह कई अन्य महिलाओं की भी कई समस्यायें हों, जो उनको इस नौकरी की आवश्यकता पर जोर देती हो।

इस प्रकार मैं भावनात्मक समझ, समानुभूति तथा निष्पक्षता, सत्यनिष्ठा के मध्य सामंजस्य स्थापना का प्रयास करूँगी।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

VISION IAS™

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

11. You are officer-in-charge of a very important railway junction, which is an artery of trade and commerce. A peasant disturbance has been brewing in your district for the past few weeks. Their discussions with the political and district leadership has borne no fruit and it has come to the stage that now they are protesting by organizing a sit-in on the railway tracks near the station. They have thereby succeeded in blocking movement of all trains. This disruption is causing significant harassment for the passengers waiting at the platform as well.

(a) What will be your course of immediate action?

(b) How can emotional intelligence act as a tool in handling this issue?

(c) What steps will you take so that such incidents are not repeated in the future? 20

आप एक अति महत्वपूर्ण रेलवे जंक्शन के प्रभारी अधिकारी हैं। यह रेलवे जंक्शन व्यापार और वाणिज्य का एक मार्ग है। आपके जिले में पिछले कुछ सप्ताह से कृषक-अशांति की परिस्थितियाँ बनती जा रही हैं। राजनीतिक और जिले के (स्थानीय) नेताओं के साथ किसानों की वार्ता का कोई परिणाम नहीं निकला है और यह अशांति एक ऐसी अवस्था में पहुँच गई है कि अब वे स्टेशन के निकट रेल की पटरियों पर धरने का आयोजन कर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। इस प्रकार वे सभी ट्रेनों के संचालन को बाधित करने में सफल हो गए हैं। इस व्यवधान के कारण प्लेटफार्म पर प्रतीक्षारत यात्रियों को भी काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

(a) आपकी तात्कालिक कार्यवाही क्या होगी?

(b) भावनात्मक बुद्धिमत्ता इस मुद्दे से निपटने हेतु एक साधन का कार्य कैसे कर सकती है?

(c) भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए आप कौन-से कदम उठाएंगे?

रेलवे सम्पत्ति राष्ट्र की महत्वपूर्ण सम्पत्ति है। यहां निहित मुद्दे राष्ट्र की सम्पत्ति की रक्षा बनाम कृषकों के अधिकार, सार्वजनिक हित बनाम व्यक्तिगत हित का है साध्य बनाम साधन का मुद्दा।

तात्कालिक कार्यवाही -

- सर्वप्रथम मैं वहां उपस्थित कृषक समुदाय

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

को समझाने का प्रयास करूंगी कि उनकी मांगे हालांकि जायज हो सकती है परंतु उनका साधन उचित नहीं है

- मैं स्थानीय प्रशासन, पुलिस को भी इस बात की जानकारी दूंगी कि किसी अवांछनीय घटना हेतु तैयार रहा जा सके।
- यात्रियों को भी इस सम्बन्ध में धैर्य रखने तथा समय पर सम्पूर्ण व्यवस्था ठीक होने का विश्वास दिलाऊंगी।

भावनात्मक बुद्धिमता : साधन के रूप में

- भावनात्मक बुद्धिमता दूसरों की भावनाओं की समझ व प्रबंधन की कला है जिसके माध्यम से मैं सर्वप्रथम छात्रों को उनकी पूरी समस्या सुनकर सांत्वना दूंगी तथा ~~विश्व~~ उनको समझाऊंगी कि उनकी मांग पूर्ति हेतु वे दूसरों को परेशान नहीं

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

कर सकते।

- यदि वे फिर भी नहीं माने तो बल प्रयोग हेतु पुलिस व प्रशासन को स्वला करूंगी क्योंकि यह कई अन्य नागरिकों के अधिकारों का भी हनन है।

- यात्रियों को भी मैं प्रेम से समझाऊंगी तथा उनके बैठने, आराम तथा खाने-पीने की व्यवस्था सुचारु करूंगी ताकि उनकी भावनायें हिंसा में न भड़के।

इस प्रकार भावनात्मक समानुभूति के माध्यम से दोनों हितधारकों से संतुलन स्थापना का प्रयास करूंगी।

भविष्य की कार्यवाही -

- भविष्य हेतु हम मीडिया, सोशल मीडिया का सहारा ले सकते हैं कि सार्वजनिक सम्पत्ति को नुकसान न पहुंचाया जाये।

- विज्ञापन के माध्यम से भी नियम पालना

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

की अपील की जा सकती है

- जो लोग अधिक उग्र कार्रवाई करें उनके खिलाफ पुलिस में मुकदमा दर्ज करवाया जायेगा ताकि अन्य लोगों को भी सीख मिले।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें।)

12. You are representing India in an international bidding for oil exploration in a country. Other, richer countries are also bidding for the project. You are sure that your bid of exploration is better as well as cheaper than that of others, and that you will definitely win the bid. A day before the auction, you come to know that other countries are employing every means, including bribing the authorities for being successful. Some of the officials of the home country have also contacted you and made some demands in exchange for assurance of India winning the bid. You are aware of the criticality of this bid in terms of domestic economic and strategic implications. Based on above information, answer the following questions.

(a) Specify the ethical dilemma(s) that you face in this situation.

(b) Do ethical concerns really matter in international transactions or are they secondary to domestic interests?

(c) What will be your course of action in the above situation? Justify with merits and demerits. 20

आप एक देश में तेल का अन्वेषण करने के लिए लगाई जाने वाली अंतर्राष्ट्रीय बोली (नीलामी) में भारत का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। इस परियोजना के लिए अन्य धनी देश भी बोली लगा रहे हैं। आप सुनिश्चित हैं कि तेल अन्वेषण के लिए आपकी बोली अन्यों से बेहतर और साथ ही सस्ती भी है और यह कि निश्चित ही आप बोली जीत लेंगे। नीलामी से एक दिन पूर्व आपको ज्ञात होता है कि अन्य देश सफल होने के लिए अधिकारियों को रिश्वत देने समेत सारे तरीके अपना रहे हैं। उस (गृह) देश के कुछ अधिकारियों ने भी आपसे संपर्क किया है और भारत को इस बोली में विजय प्राप्त कराने का आश्वासन देने के बदले कुछ मांगें रखी हैं। आप घरेलू आर्थिक एवं रणनीतिक निहितार्थों की दृष्टि से इस बोली के महत्व से अवगत हैं। उपर्युक्त सूचना के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(a) निर्दिष्ट कीजिए कि इस स्थिति में आप किस/किन नैतिक दुविधा/दुविधाओं का सामना करते हैं।

(b) क्या अंतर्राष्ट्रीय लेन-देन में नैतिक चिंताएँ सचमुच मायने रखती हैं या वे घरेलू हितों की तुलना में गौण (द्वितीयक) हैं?

(c) उपर्युक्त स्थिति में आपकी कार्यवाही क्या होगी? गुणों और अवगुणों सहित उसका औचित्य सिद्ध कीजिए।

नैतिक दुविधा :

- राष्ट्रहित बनाम नैतिक नियम
- साध्य बनाम साधन
- दो कर्तव्यों में दुविधा → देश के लिए टेण्डर लेना / → भ्रष्टाचार मुक्त सेवा

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

- सत्यनिष्ठा का पालन

अन्तर्राष्ट्रीय नैतिकता -

- अन्तर्राष्ट्रीय क्षेत्र में आदर्शवाद बनाम यथार्थवाद का मुद्दा समाहित है
- आदर्शवाद के अन्तर्गत नैतिक नियमों, सिद्धान्तों की अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर स्थापना की जाती है यद्यपि कई लोग अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्धों में यथार्थवाद पर अधिक बल देते हैं तथा राष्ट्र हित को सर्वोच्च वरीयता देते हैं लेकिन मात्र राष्ट्रहित पर बल देने पर तो -
- उपनिवेशवादी नीतियां सही हो जायेगी
- साम्राज्यवाद, विकसित देशों द्वारा अविकसित देशों का दोहन उचित ठहराया जायेगा
- युद्ध, कूटनीति, धमकी के साधनों का प्रयोग किया जायेगा
- अन्तर्राष्ट्रीय शांति, सम्प्रभुता, सहअस्तित्व

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस जगह में कुछ ना लिखें)

की भावना पर कुठाराघात होगा।

मेरी कार्यवाही और क्यों ?

- मैं भ्रष्टाचार का साथ न देकर अन्तरात्मीय नैतिकता का साथ दूंगी।
- सर्वप्रथम मैं अपने वरिष्ठ अधिकारियों को इस ~~सम्बन्ध~~ में सूचित करूंगी तथा उनसे मार्गदर्शन प्राप्त करूंगी।
- ~~बोली~~ बोलीदाता के सम्पर्क में रहूंगी तथा उनको पूर्ण ईमानदारी के साथ कार्यवाही सम्पन्न करने हेतु कहूंगी।
- यह अभी मात्र एक आरोप है, अतः इसकी सच्चाई पता लगाने का प्रयास करूंगी।

तर्क -

- मेरा कदम हालांकि मेरे ही खिलाफ हो सकता है परंतु दीर्घकालिक लाभ के नियम के आधार पर राष्ट्र के हित में यही है कि अनैतिक साधन न अपनाये जायें।
- आज यदि टेण्डर को भी लिया तो यदि कल सच्चाई सामने आई तो राष्ट्र की

प्रतिष्ठा पर धब्बा लगेगी।

- भारत अपने मूल्यों हेतु विश्व प्रसिद्ध है, ऐसा गलत करके राष्ट्र के मूल्यों को नुकसान ~~पहुंचाऊंगी~~ पहुंचाना होगा तथा नैतिक कर्तव्यों का भी हनन होगा।
- अन्तर्राष्ट्रीय नैतिकता एक वृहद सत्य है तथा राष्ट्र हित ~~ध~~ उसमें समाहित अतः वृहद सत्य की पालना आवश्यक है।

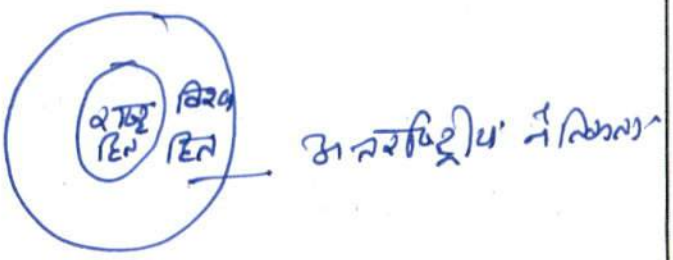

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

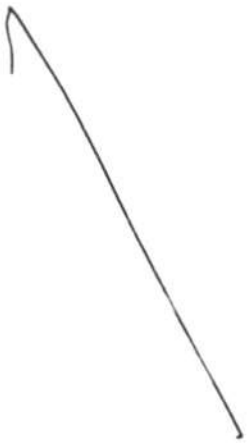

VISION IAS™

Don't write anything this margin
(कृपया हाशिया में कुछ ना लिखें)

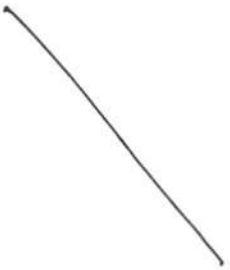

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

13. You are the CEO of a film production company, which has not been doing well financially for some time. Your company is now relying on its forthcoming movie, which is about to be released shortly. The movie has a cast of reliable actors and even before its release, trade pundits have predicted that the movie will be a hit.

However, you face a conundrum as one of the actors in the movie is a citizen of a neighbouring country with which relations have been disturbed and a war like situation exists. While the political atmosphere was different when the movie was being filmed, now there is a widespread public demand, with a local political party at the forefront, for replacing the actor from the movie or a ban on the release of the movie itself, if the actor is not replaced.

While you are aware of the mood of the nation and the public repercussions of releasing the movie in its present form, you also know that it is not feasible to replace him at this stage as he has a substantial role in the movie. There is also a section in the film fraternity that does not want you to compromise in the wake of threat by the local party as it compromises freedom of speech and expression as well as artistic creativity.

(a) What are the options available to you?

(b) Evaluate each of the options and state their merits and demerits.

(c) What course of action would you take and why? 20

आप एक फिल्म निर्माण कम्पनी में मुख्य कार्यकारी अधिकारी (CEO) हैं। यह कम्पनी कुछ समय से वित्तीय रूप से अच्छा प्रदर्शन नहीं कर रही है। आपकी कम्पनी अब अपनी आगामी फिल्म पर निर्भर है। यह फिल्म शीघ्र ही रिलीज (प्रदर्शित) होने वाली है। इस फिल्म में विश्वसनीय अभिनेताओं को लिया गया है। इस फिल्म के रिलीज होने के पूर्व ही व्यापार-पंडितों ने अनुमान लगा लिया है कि यह फिल्म हिट होगी।

हालांकि, आप एक विचित्र परिस्थिति का सामना कर रहे हैं, क्योंकि फिल्म में सम्मिलित एक अभिनेता एक ऐसे पड़ोसी देश का नागरिक है जिसके साथ संबंध बिगड़ गए हैं और युद्ध जैसी स्थिति बनी हुयी है। हालांकि जब फिल्म को फिल्माया जा रहा था तब राजनीतिक माहौल भिन्न था। अब स्थानीय राजनीतिक पार्टी के नेतृत्व में, उस अभिनेता को प्रतिस्थापित करने या अभिनेता को प्रतिस्थापित न करने पर फिल्म रिलीज होने पर ही प्रतिबंध लगाये जाने के संबंध में जनता में व्यापक स्तर पर मांग उठ रही है।

अब जबकि आप देश की मनोदशा एवं फिल्म को उसके वर्तमान स्वरूप में जारी करने से जनता में होने वाली प्रतिक्रियाओं से अवगत हैं, किन्तु साथ ही आप यह भी जानते हैं कि फिल्म की इस अवस्था में उस अभिनेता को प्रतिस्थापित करना व्यवहार्य नहीं है क्योंकि फिल्म में उसकी पर्याप्त भूमिका है। सिनेमा जगत में एक वर्ग ऐसा भी है जो नहीं चाहता कि आप स्थानीय पार्टी की धमकियों को देखते हुए समझौता करें, क्योंकि यह वाक् एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और साथ ही कलात्मक रचनात्मकता से भी समझौता होगा।

(a) आपको कौन-से विकल्प उपलब्ध हैं?

(b) प्रत्येक विकल्प का मूल्यांकन कीजिए और उसके गुणों और अवगुणों को बताइए।

(c) आप कौन-सी कार्यवाही का अनुसरण करेंगे और क्यों?

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें।)

इस संदर्भ में मेरे पास उपलब्ध विकल्प हैं-

(i) मैं स्थानीय पार्टी की बात मान लूं तथा अभिनेता को प्रतिस्थापित कर दूँ।

(ii) स्थानीय पार्टी को समझाने का प्रयास करूं तथा मीडिया के माध्यम से जनता से अपील करूं कि यह अ स्वतंत्रता पर अतिक्रमण है।

(iii) स्थानीय पार्टी व जनता की सलाह पर ध्यान दिये बिना अपना कार्य जारी रखूं।

विकल्प	पक्ष	विपक्ष
प्रथम विकल्प	- मेरी फिल्म आराम से रिलीज होगी। - मानसिक कष्ट नहीं झेलना पड़ेगा - लागत भी निश्चित सीमा में रखी जा सकती है।	- यह पलायनवादी कदम होगा। - यह अभिव्यक्ति की आजादी पर अतिक्रमण होगा - यह इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति को बढ़ावा देगा।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें।)

विकल्प	पक्ष	विपक्ष
द्वितीय विकल्प	- लोगों की भावनाओं को समझने का प्रयास - लोगों को अपनी बात समझाना - मिशन समय पर पूरी करना	- हो सकता है स्थानीय पार्टी व लोग बात नहीं समझें।
तीसरा विकल्प	- मैं भाषा व अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की रक्षा करूंगी - भविष्य में अन्य मिशन निर्देशकों को प्रोत्साहन	मेरी मिशन में कई समस्यायें आ सकती हैं मिशन के लाभ पर भी फर्क पड़ सकता है

मेरा विकल्प - क्यों ?

- मैं सर्वप्रथम स्थानीय पार्टी के लोगों तथा जनता को अपने पक्ष से अवगत करवाऊंगी।
- राष्ट्र के हित हालांकि सत्य हैं परंतु इससे राष्ट्र के हितों पर कुठाराघात नहीं हो रहा।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें।)

क्योंकि प्रतिभा' राष्ट्र की सीमाओं में बंधने के बजाय वैश्विक धरोहर है।

→ फिल्म, संगीत इत्यादि गतिविधियों के माध्यम से पीपल-टु-पीपल वार्तालाप (ट्रैक-2) वार्तालाप को बढ़ावा दिया जा सकता है।

⇒ यदि फिर भी मुझे धमकी दी जायेगी तो मैं न्यायालय की शरण लूंगी क्योंकि यह मेरे मूल अधिकारों का हनन होगा तथा ऐसा करके मैं ऐसी अभिवृत्ति निर्माण को रोकने का प्रयास करूंगी जो राष्ट्रप्रेम के नाम पर दूसरों की स्वतंत्रता में हस्तक्षेप करते हैं।

VISION IAS™

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें।)

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

14. Big firms often undertake sub-contracting to complete large infrastructure projects in a timely manner. You recently joined one such firm as a manager responsible for awarding these contracts. Looking at the past records, you find that all contracts for the past few years have been awarded to a particular firm, X. Your superior has asked you to award an upcoming contract to the same firm. Although, not binding, company procedure maintains that sub-contracting work should be offered after competitive bids. This is to ensure that the firm most suitable for the project in terms of operations and finance gets the contract. When you discuss this with your superior, he insists that hiring of the firm X has been done as per legal norms of the company and no official rule has been violated. You decide to contact the owner of the firm X. After doing so, you realize that he is the nephew of your superior, who is also a shareholder in the company.

(a) State the ethical issues involved in the case.

(b) Does this form of transaction between two private parties constitute a conflict of interest? Justify.

(c) Evaluate the possible ways of awarding contracts in such a situation with their merits and demerits. Also state which method would be more suitable in each situation. 20

बड़े फर्म प्राय: वृहद् अवसंरचना परियोजनाओं को समयबद्ध रूप से पूरा करने के लिए प्राय: उप-संविदा (सब-कॉन्ट्रैक्ट) प्रदान करती हैं। आप हाल ही में इन संविदाओं को प्रदान करने हेतु जिम्मेदार प्रबंधक के रूप में, इस प्रकार की एक फर्म में सम्मिलित हुए हैं। पिछले रिकार्डों को देखने पर आपको ज्ञात होता है कि पिछले कुछ वर्षों में सभी संविदाएँ एक विशिष्ट फर्म X को दी गयी हैं। आपके वरिष्ठ (सीनियर) ने एक भावी संविदा को उसी फर्म को प्रदान करने के लिए आपसे कहा है। यद्यपि बाध्यकारी न होते हुए भी, फर्म उपसंविदात्मक कार्यों को प्रतिस्पर्धी बोलियों के आधार पर प्रदान करने की प्रक्रिया का पालन करती रही है। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना होता है कि संचालनों एवं वित्त के संबंध में सर्वाधिक उपयुक्त फर्म को संविदा प्राप्त हो। जब आप अपने वरिष्ठ से इसकी चर्चा करते हैं तो वह जोर देता है कि कम्पनी X को कम्पनी के विधिक मानदण्डों के अनुसार नियुक्त किया गया है और किसी भी आधिकारिक नियम का उल्लंघन नहीं किया गया है। आप X फर्म के मालिक से संपर्क करने का निर्णय करते हैं। ऐसा करने के बाद, आपको ज्ञात होता है कि वह आपके वरिष्ठ अधिकारी का भतीजा है, और उस फर्म में आपके वरिष्ठ की भी हिस्सेदारी (शेयर) हैं।

(a) इस मामले में समाहित नैतिक मुद्दों को स्पष्ट कीजिए।

(b) क्या दो निजी पक्षों के बीच इस प्रकार के लेन-देन में हितों का टकराव निहित होता है? अपने उत्तर का औचित्य सिद्ध कीजिए।

(c) ऐसी स्थिति में संविदा प्रदान करने के संभावित तरीकों उनके गुणों एवं अवगुणों के साथ मूल्यांकन कीजिए। साथ ही स्पष्ट कीजिए कि प्रत्येक स्थिति में कौन-सी पद्धति सर्वाधिक उपयुक्त होगी।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस क्षेत्र में कुछ ना लिखें)

नैतिक मुद्दे

(1) सत्यनिष्ठा का अभाव - दो विरोधी हितों की उपस्थिति

(i) कम्पनी X का हित

(ii) व्यावसायिक नैतिकता का हित

(2) ईमानदारी का अभाव

(3) प्रक्रियात्मक न्याय बनाम वास्तविक भ्रष्टाचार

(4) निष्पक्षता, पारदर्शिता, गैर तरफदारी जैसे नैतिक मूल्यों का अभाव

हितों में टकराहट -

- जब दो निजी पक्षों में यदि इस तरह लेन - देन को प्रोत्साहित किया जाये तो सत्यनिष्ठा (Integrity) की समस्या उत्पन्न होती है जिसके अन्तर्गत दो विरोधी हितों की अपेक्षा एक ही हित होना चाहिए।
- यहां प्रबंधक स्वयं के लाभ को वरीयता दे रहे हैं जबकि व्यावसायिक नैतिकता के

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें।)

अनुसार कोई प्रबंधक किसी फर्म में हितधारक नहीं रह सकता।

(E) विविदा के संभावित विकल्प

विकल्प	गुण	अवगुण
1. कम्पनी x को टेण्डर देना	- वरिष्ठ प्रबंधक से मेरे सम्बन्ध ठीक रहेंगे। - मानसिक शांति, नौकरी की सुरक्षा	- यह भ्रष्टाचार को प्रोत्साहन देना होगा। - इस प्रवृत्ति को बढ़ावा मिलेगा
2. कम्पनी x को टेण्डर न देकर सीधी चयन प्रक्रिया	- यह व्यावसायिक नैतिकता की स्थापना करेगा। - कार्य संस्कृति में सुधार होगा।	मानसिक शांति नहीं - वरिष्ठ से सम्बन्ध खराब - फिलहाल चालू कार्य की गति रुकेगी
3. कम्पनी के मालिक या उच्चाधिकारियों को रिपोर्ट	- उच्चाधिकारियों को सारी सच्चाई पता चलेगी। - आगे खरीद प्रक्रिया पारदर्शी बनेगी	- यदि उच्चाधिकारी भी इसमें शामिल होंगे तो अपनी बात कैसे साबित करेंगे?

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

मेरा विकल्प -

- मैं सर्वप्रथम अपने वरिष्ठ प्रबंधक को समझाने का प्रयास करूंगी।
- यदि वे नहीं माने तो उच्चाधिकारियों को लिखित में ~~चयन~~ खरीद प्रक्रिया की गड़बड़ के सम्बन्ध में बताऊंगी।
- टेण्डर प्रक्रिया को नये सिरे से शुरू करवाऊंगी तथा पारदर्शिता तथा निष्पक्षता के आधार पर प्रक्रिया सुनिश्चित करूंगी।
- चूंकि कम्पनी X ने गलत व्यावसायिक तरीकों का प्रयोग किया है इसलिये उसे ब्लैक लिस्टेड भी करवाया जा सकता है।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

VISION IAS™

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)